ॐ

~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय।

कक्षा-नवम् विषय हिन्दी

दिनांक-25/06/2020 क्षितिज-गद्य-खंड

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

शुभ प्रभात,

आपके चेहरे पर हमेशा खुशियाँ ही खुशियाँ थिरकती रहे!

मेरे प्यारे बच्चों !अभी तक हम लोग “सांवले सपनों की याद” का पठन-पाठन कर रहे थे। आज पक्षी विशेषज्ञ, सालिम अली के बारे में भी जानें क्योंकि इनके बारे में जानना उतना ही जरूरी है, जितना कि इस संस्मरण को पढ़ना ।यदि हम सालिम अली को नहीं जानें और संस्मरण से आगे बढ़ जाएँ तो हम खुद से बेईमानी
~~~~

होगी। आज मैं आपको सालिम अली एवं डी.एच.लॉरेंस के बारे में थोड़ी सी जानकारी दे रही हूँ।

प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली

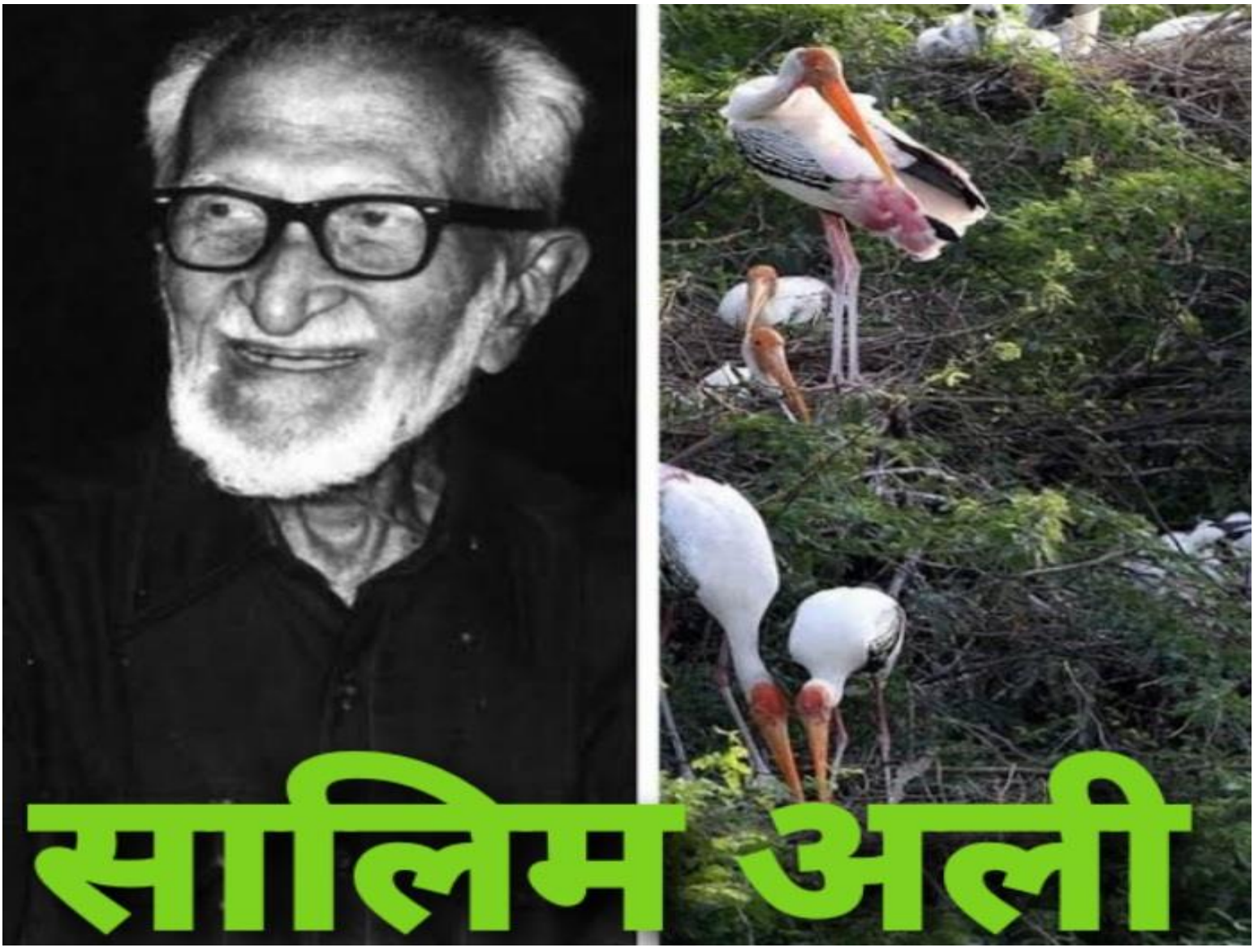

सालिम मुईनुद्दीन अब्दुल अली (१२ नवम्बर १८९६ - २० जून १९८७)उन्होंने **फॉल ऑफ स्पैरो** नाम से अपनी आत्मकथा लिखी है ,जिसमें पक्षियों से संबंधित रोमांचक किस्से हैं। **एक गौरैया का गिरना** शीर्षक से इसका हिंदी अनुवाद नेशनल बुक ट्रस्ट ने प्रकाशित किया है।

सालों अली एक भारतीय पक्षी विज्ञानी और प्रकृतिवादी थे। उन्हें "भारत के बर्डमैन" के रूप में जाना जाता है।

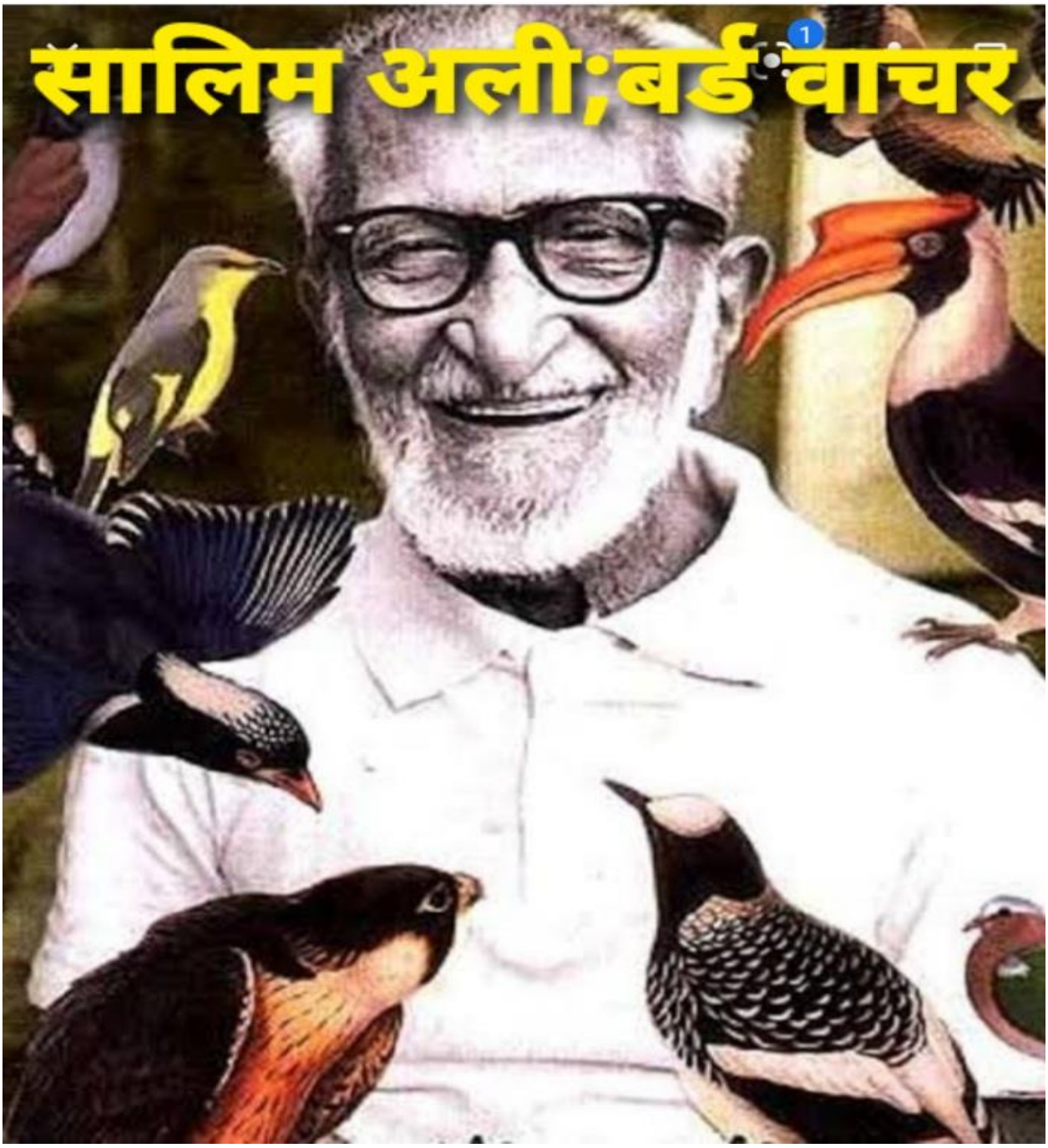

सालिम अली भारत के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत भर में व्यवस्थित रूप से पक्षी सर्वेक्षण का आयोजन किया और पक्षियों पर लिखी उनकी किताबों ने भारत में पक्षी-विज्ञान के विकास में काफी मदद की है। 1976 में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से उन्हें सम्मानित किया गया। 1947 के बाद वे बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के प्रमुख व्यक्ति बने और संस्था की खातिर सरकारी सहायता के लिए उन्होंने अपने प्रभावित किया और भरतपुर पक्षी अभयारण्य (केवलादेव नेशनल पार्क) के निर्माण और एक बाँध परियोजना को रुकवाने पर उन्होंने काफी जोर दिया जो कि साइलेंट वैली नेशनल पार्क के लिए एक खतरा थी।

डी.एच.लॉरेंस

डी. एच. लॉरेंस(1885- 1930) 20वीं सदी के अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार। उन्होंने कविताएँ भी लिखी हैं, विशेषकर प्रकृति संबंधी कविताएँ उल्लेखनीय हैं। प्रकृति से डी. एच. लॉरेंस का गहरा लगाव था और सघन संबंध भी।

वे मानते थे कि मानव जाति एक उखड़े हुए महान वृक्ष की भाँति है जिसकी जड़ें हवा में फैली हुई हैं। वे यह भी मानते थे कि हमारा प्रकृति की ओर लौटना जरूरी

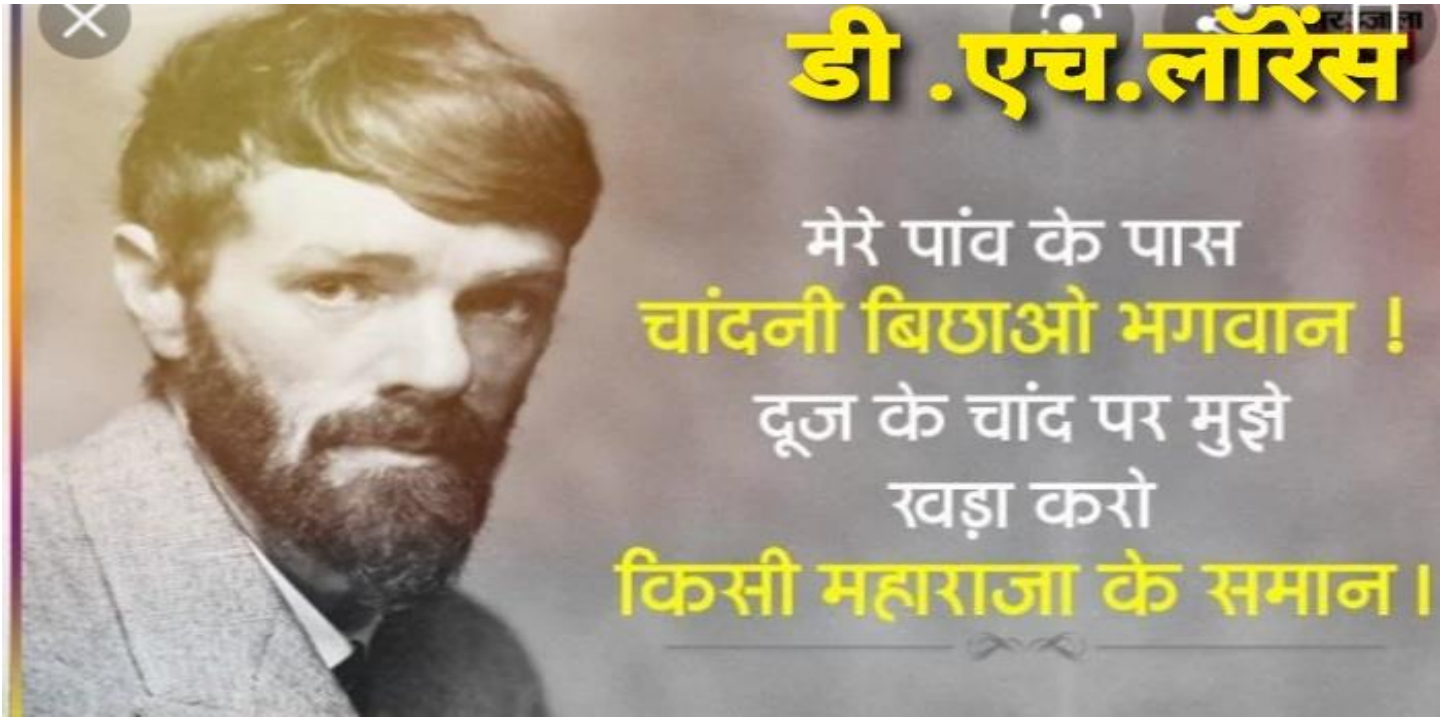

छात्र कार्य –

सालिम अली एवं डी. एच. लॉरेंस के बारे में पढ़ें तथा लिखें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”